1

VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2366)

Name of Candidate	S. K. Meena		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	**Registration Number**	74007
Center	M.N.	**Date**	12/09/24

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
3(c)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **HINDI & ENGLISH**
   इसमें बारह प्रश्न हैं **हिन्दी और अंग्रेजी** में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड B / SECTION A

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. (a) डिजिटल प्रभाव के प्रभुत्व वाले युग में कोई परिवार मूल नैतिक सिद्धांतों को प्रभावी ढंग से कैसे प्रसारित कर सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

How can the family effectively transmit core moral principles in an era dominated by digital influences? (Answer in 150 words) 10

आज के "आईपैड किड" व "वीकेंड कपल" के दौर में बच्चों में मूल नैतिक सिद्धांतों का प्रभावी समावेश नहीं हो पा रहा है।

क्यों →
- एकल परिवार ⇒ दोनों युगल व्यक्ति
- समय न दे पाना ⇒ आत्मीय लगाव अभाव
- अकेलापन → गैजेट्स की निष्क्रिय जीवन
- मीडिया से प्रभावित

मूल नैतिक सिद्धांतों यथा प्यार, समानता, स्नेह, सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, सम्मान के समावेश के लिए उपाय: →

① डिजिटल माध्यम प्रयोग की सीमाएं निर्धारित करना।

② डिजिटल दुनिया में उनकी गतिविधियों की ट्रैकिंग।

③ नियमित समय देना → निरन्तर ध्यान, → समय देना।

④ स्वयं का व्यवहार आदर्श बनाना
→ सदैव विनम्रता व आदर के साथ पेश आना। ~~उदा.~~ ~~घरेलू कामगारों~~
उदा.- घरेलू कामगारों के साथ व्यवहार

⑤ बच्चों को अपने ग्रांडपैरेंट्स से संवाद करना → स्थानीय भाषा व स्थानीय मूल्यों में संवाद विकास

⑥ शहरों की इस दुनिया में पुन: परिवार की संयुक्तता बढ़ाना।

⑦ खेलकूद सहित पुस्तकें निर्वाह करवाना
हितोपदेश, पंचतंत्र सहित गाँधीजी की कहानियाँ सुनाना।

फलत: इस दौर के पैरेंट्स की ~~को~~ पैरेंटिंग हो व शिक्षित किया जाये कि बच्चों को कैसे चरित्रवान बनाएं

1. (b) हालांकि अंतःकरण सामान्य तौर पर नैतिक निर्णय-निर्माण में एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है, लेकिन कभी-कभी इसकी सीमाएं भी होती हैं। विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Though conscience generally serves as a crucial guide in ethical decision-making, it is sometimes fraught with limitations. Discuss. (Answer in 150 words) 10

अंतःकरण किसी व्यक्ति के आंतरिक मूल्यों की आवाज है जो हमें सही या गलत का निर्देश देती है।

अंतःकरण प्रायः नियम, कानून, विनियम के साथ महत्वपूर्ण दिशानिर्देश का कार्य करती है।

लेकिन अंतःकरण का
- किसी मूल्य प्रेरित होना
- संकीर्ण होना
- मनोवृत्ति आधारित
- समाज या समूह विशिष्ट होना इसकी कमी

विशेष दशा में सीमा का कारण बन जाती है। जिससे अंतःकरण का संकट पैदा होता है।

2366
VISION IAS™
Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अंत:करण की सीमाऐं :-

① अंत:करण का भ्रमित होना - आधारप्रयोग
उदा० - विश्वता का अधिकार बनाम सेवा वितरण

② अंत:करण निजी सोच से प्रभावित

उदा० समलैंगिक विवाह, लिव इन जैसे नये संबंधों के बारे में पारंपारिक समाज का अंत:करण

③ अंत:करण का संकट -

जैसे - गरीब दोस्त को Exam में चीटिंग मे मदद करना अंत:करण से सही भी हो सकता है।

④ सोच से प्रभावित होना - एकपक्षीयता का हावी होना।
उदा० - गांधी जयंती या कसाब का अंत:करण हिंसा को सही मानता था।

फलत: अंत:करण का संतुलित प्रयोग हो व इसे व्यापक बनाने के लिए सहिष्णु, समावेशी, संवाद, शिक्षा को महत्व देना चाहिए।

2. (a) सार्वजानिक धन के उपयोग को किन नैतिक सिद्धांतों के आधार पर नियंत्रित किया जाना चाहिए? बड़े निगमों को उबारने(bail out) के लिए करदाताओं के पैसे का उपयोग करने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What ethical principles should govern the utilization of public funds? Discuss the moral implications of using taxpayer money to bail out large corporations. (Answer in 150 words) 10

सार्वजनिक धन मूलत: सर्वजन हिताय के लिए सरकार के पास उपलब्ध संपदा है।

सार्वजनिक धन के प्रयोग के नैतिक सिद्धांत : —

① ईमानदारी, जवाबदेहिता का सिद्धांत
② वास्तविक जरूरत का सिद्धांत
③ अधिकतम के अधिकतम कल्याण का सिद्धांत
④ पारदर्शिता का सिद्धांत
⑤ औचित्यता का सिद्धांत
⑥ आनुपातिकता का सिद्धांत

बेल आउट एक प्रक्रिया है जिसमे बड़े कॉर्पोरेट को वित संकट

से उबारने के लिए सरकार द्वारा
ऋण या अनुदान दिया जाता है।

बेल आउट मे करदाता के धन के प्रयोग
के नैतिक निहितार्थ :—

① किसी का पैसा बिना उसकी
सहमति से खर्च
② प्रायोज्य लक्ष्य के इतर खर्च
③ नेता - नौकरशाह - बिजनेस' गठजोड़
मे टैक्स मनी का दुरुपयोग।
Ex — विजय माल्या केस
④ विफल होने पर या भगोड़ा बनने
पर जवाबदेहिता
⑤ अधिकतम लाभ की जगह कुछ लोगो
को लाभ। (उपयोगितावादी नैतिकता का पतन)

यद्यपि बेल आउट पैकेज
वास्तविक व बौद्धिक ईमानदार नियतो का
हो तो वह रोजगार सृजन, CSR, आर्थिक
सुव्यवस्था द्वारा नैतिक प्रयोग होता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) ईमानदारी का अर्थ केवल भ्रष्ट या बेईमान आचरण से बचना नहीं है। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Probity means more than just the avoidance of corrupt or dishonest conduct. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

ईमानदारी (probity) ~~मात्र~~ मात्र भ्रष्टाचार रहित होना नहीं है अपितु यह इससे बढ़कर उत्कृष्ट जीवन नैतिक मूल्यों का पालन है। (2nd ARC रिपोर्ट)

उदा० - विश्वेश्वरैया ~~द्वारा~~ सदैव समयबद्ध ऑफिस जाना, प्रोपर कपड़ों सहित कभी ऑफिस की वस्तु निजी प्रयोग में न लेना।

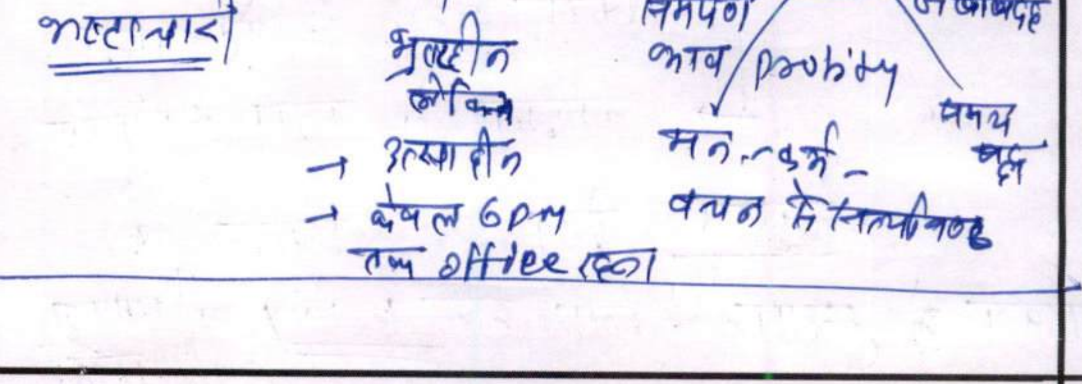

2366
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उदाहरण :-

① अड़्यार रेल दुर्घटना के बाद लाल बहादुर शास्त्री द्वारा इस्तीफा देना

↳ वे सदैव किराये के मकान में रहे → पद का दुरुपयोग नहीं किया

② एक कार्मिक ईमानदार है लेकिन कम्प्यूटर पर काम सीखने की न तो मनोवृत्ति व न ही इच्छा।

वो भ्रष्टाचारी नहीं है — लेकिन निष्ठावान भी नहीं

③ भ्रष्टाचारी नहीं है लेकिन

→ ऑफिस में फोन पर बात करना
→ किसी बहाने से लेट आना
→ ऑफिस में तनाव का माहौल

फलत: देश के शासन को वास्तव में प्रशासन की तरह हमें probity की स्थापना की आवश्यकता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. वर्तमान संदर्भ में निम्नलिखित उद्धरण आपको क्या संदेश देते हैं।

What does the following quotation convey to you in the present context.

(a) "किसी व्यक्ति को नैतिकता के बजाय मानसिक रूप से शिक्षित करना समाज के लिए खतरा पैदा करना है।" - थियोडोर रूजवेल्ट (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"To educate a man in mind and not in morals is to educate a menace to society." - Theodore Roosevelt (Answer in 150 words) 10

"बिना नैतिकता के दिमाग अधिक खतरनाक होता है"

गाँधीजी का यह सिद्धांत बताता है कि मात्र शिक्षित नहीं या मात्र दिमाग से तेज नहीं बल्कि नैतिक भी होना चाहिए। क्योंकि बिना नैतिकता के शिक्षित दिमाग

(1) आतंकवादी Ex – उच्च इंजीनियर

(2) संवेदनहीनता Ex – पर्यावरण दोहन विनाश, जैव

(3) स्वार्थवादी व स्वकेंद्रित Ex – भ्रष्टाचार बढ़ाना

(4) असहिष्णुता Ex – धार्मिक दंगे

(5) प्रेम जैसे मूल्यों से रहित Ex – नाजी जर्मनी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नैतिकता युक्त होने से
- समाज के प्रति जिम्मेदार
- संवेदनशील
- जवाबदेहिता

उदा॰: परमाणु बम की जगह
परमाणु ऊर्जा
- गांधी की जगह गोडसे
- मदर टेरेसा के रूप
- Mission LiFE
- हरित पर्यावरण

फलतः समाज के
उच्च चरित्र के लिए नैतिकता
विकसित होनी अत्यावश्यक होनी
चाहिए

3. (b) "असफलता बस फिर से शुरू करने का अवसर है, इस बार और अधिक समझदारी से।" - हेनरी फ़ोर्ड (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Failure is simply the opportunity to begin again, this time more intelligently." - Henry Ford (Answer in 150 words) 10

असफलता वास्तव में

असफलता नहीं यदि हम उससे कुछ सबक सीख कर अधिक समझदारी से अगला कदम उठाये।

उदा० – बल्ब के आविष्कार से पहले हर बार विफल होने के बाद कुछ न कुछ सीखना

① ऐतिहासिक रूप से गांधीजी ने असहयोग व सविनय अवज्ञा की असफलता से सीखकर "करो या मरो" का नारा (भारत छोड़ो आंदोलन)
↳ सफलता मिलना।

② राजा राम मोहन राय के सती निषेध के प्रयास

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई मे असफल होने की बजाय पुनः ~~अन्ना~~ अन्ना आंदोलन -2 की आवश्यकता है

(4) भारत के चंद्रयान-1 की विफलता के बाद पुनः सही शुरुआत कर चंद्रयान -2 को सफल बनाना

"करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।" व

"लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।"

बस मे कोशिश व अभ्यास अधिक समझदारी युक्त व सतत होने चाहिए

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (c) "युद्ध के समय कानून मौन रहते हैं।" - सिसरो (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Laws are silent in times of war." - Cicero (Answer in 150 words) 10

युद्ध वह आपद व आपात दशा है जहाँ मानव, मानव न रहकर जानवर बन जाता है। जिस पर कोई नियम या कानून काम नहीं कर पाता है।

उदा० – हाल ही मे ~~इजराइल~~ इजरायल फिलस्तीन संघर्ष मे सिविल हॉस्पिटल पर बम हमला
↳ जेनोसाइड कन्वेंशन का ~~सीधा~~ उल्लंघन।

युद्ध के समय कानून मौन:-

(i) मानवाधिकार कानून पतन → (हत्या)

(ii) पर्यावरण कानूनो का हनन
↳ व्यापक प्रदूषण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3.) समाज के नियमों की अपालना
Ex - बच्चों, वृद्धों, महिलाओं को बचाना का मूल्य

(4) नाजी जर्मनी द्वारा नृशंसता जनकी कानूनों का उल्लंघन है।

यद्यपि वर्तमान में हो रहे यूक्रेन संकट व इजरायल - हमास युद्ध में UNO व संगठन कानूनो की पालना को महत्व दे रहे है
जैसे -
- → घायलों पर, सिविल लोगों पर हमला नहीं
- → आनुपातिक हमले का पालन
- सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण
- जेनेवा कन्वेंशन

लेकिन अंतत: ये कानून होते जरूर है लेकिन बोलते या युद्ध पर नहीं पाते मौन रहते है, ये बोलते तो युद्ध ही नहीं होता।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) अच्छा कॉर्पोरेट शासन बौद्धिक ईमानदारी से संबंधित होता है, न कि केवल नियमों और विनियमों से जुड़े रहने से। उदाहरणों के साथ व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Good corporate governance is about intellectual honesty and not just sticking to rules and regulations. Illustrate with examples. (Answer in 150 words) 10

अच्छा कॉर्पोरेट शासन वह व्यवस्था है जहाँ कॉर्पोरेट न केवल नियमों का पालन करता है बल्कि बौद्धिक ईमानदारी का भी प्रदर्शन करता है।

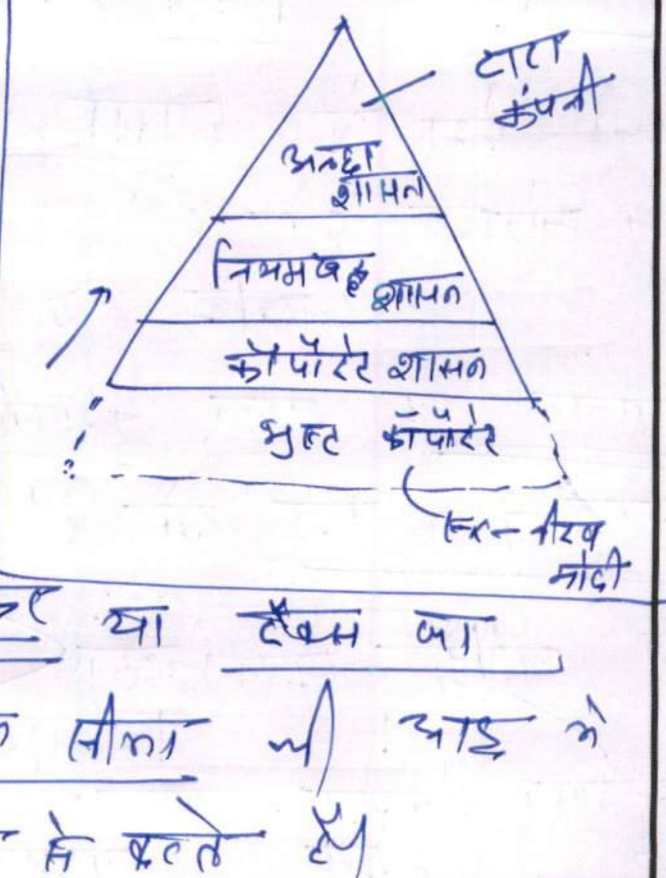

उदा० - कई कॉर्पोरेट टैक्स हैवन देशों में DTAA संधि का फायदा उठाकर या टैक्स का नियोजन, कानून नीति की आड़ में जटिल बुद्धिमत्ता से करते हैं।

जैसे - जीरो टैक्स देने वाली कंपनी

उदाहरण

(2) टाटा कॉर्पोरेट अच्छा शासन है जिसका 46% शेयर परोपकारी ट्रस्ट के पास है।

जबकि कुछ "मिथ्या रिपोर्टिंग" के माध्यम से सत्य को छुपाते हैं।

(3) अच्छा कॉर्पोरेट जैसे अजीम प्रेमजी व बिल & मिलिंडा फाउंडेशन को देश के शिक्षा, स्वास्थ्य क्षेत्र मे योगदान देते हैं।

जबकि कुछ नियमों का पालन कर मात्र प्रशासनिक खर्चों व लोकप्रतिष्ठा पैदा करते हैं।

(4) बौद्धिक सत्यनिष्ठा
- पर्यावरण धारणीयता
- शासन नियम पालन
- प्रतिस्पर्धीमूलक
- ट्रस्टीशिप विश्वास
- दीर्घकाल स्पोर्ट
- साधन की पवित्रता

फलत: मात्र कॉर्पोरेट नहीं बल्कि बौद्धिक ईमानदार सच्चे कॉर्पोरेट होने चाहिए

4. (b) सामान्य तौर पर, किसी संगठन में जितना ऊंचा पद होता है, भावनात्मक बुद्धिमत्ता उतनी ही अधिक महत्त्व रखती है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में कारण बताइए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In general, the higher a position in an organization, the more emotional intelligence matters. Do you agree with this view? Give reasons in support of your answer. (Answer in 150 words) 10

सेलोवी व मेयर के अनुसार

EI मूलतः दूसरों व स्वयं के भावों को सटीक रूप से समझने, चिंतन से जोड़ने व रचनात्मक प्रयोजन की क्षमता है।

हाँ यह सत्य है कि संगठन के उच्च पद पर बैठा व्यक्ति उच्च EI रखता है —

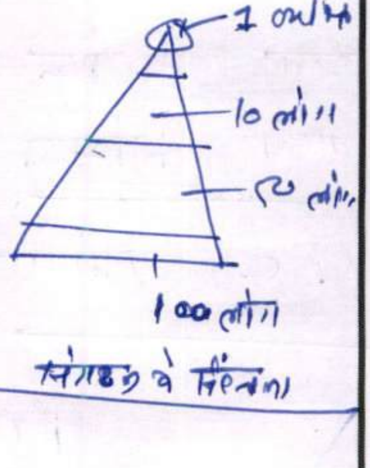

कारण : —

① उच्च पद वाला व्यक्ति सभी कार्मिकों के हितों को देखता है

② कार्मिकों की बहुविविधता के अनुरूप नीति बनाना

(3) सबका संपर्क सबसे से होना
(c) विचारों का आदान प्रदान
(4) लोगों के अधिक प्रतिबद्धता
(5) सेल भाग रहा नहीं कार्य
फलतः सबकी भूमिकाओं से काम को देखना।
उदा० — एक कार्मिक Leave Application
लेकर आया है लेकिन इसे
पता है कि अन्य उसके प्रतिस्थापन
वाला कार्मिक की स्थिति क्या है तो
उस का प्रयोग निर्णय लेगा

निचले स्तर पर प्रायः
अपने काम के काम, निम्न भूमिका उच्च
दशा में प्रायः कम ही मिलती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) तटस्थता और गैर-पक्षपात के अलावा, सहिष्णुता एवं समावेशिता अन्य महत्वपूर्ण मूल्य हैं जो भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में लोक सेवकों को अधिक सक्षम बनने में मदद करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ स्पष्ट कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In addition to neutrality and non-partisanship, tolerance and inclusion are other important values that facilitate the civil servants to be more competent in a diverse country like India. Explain with suitable illustrations. (Answer in 150 words) 10

सिविल सेवक मे चालन समिति के मूल्यों के साथ सहिष्णुता व समावेशिता भी आवश्यक है।

तटस्थता → बिना किसी पूर्वाग्रह के विशिष्ट मानकों व नियमों से निर्णय लेना।

Ex – अशोक खेमका

गैर-पक्षपात – लोक सेवक किसी भी राजनीतिक दल के प्रति निष्ठा भाव न रखे।

Ex – T.N. शेषन द्वारा भारत के निर्वाचन आयुक्त के रूप में

सहिष्णुता :– दूसरों या अपने विपरीत विचारों को सहने की क्षमता

बुहिउनके सम्मान ~~करने~~ करने का मूल्य। L भारत बहुविध विविधता वाला देश है जहाँ मूल्यों के स्रोत होता है।
उदा॰ - एक लोक सेवक शाकाहारी है लेकिन उनकी नियुक्ति उस माँसाहार सेवन वाले जिले में होती।

समावेशिता: - समावेशिता वस्तुत: दूसरों को अपनाने का भाव है। भारत जैसे देश के यह मूल्य महत्वपूर्ण है।
उदा॰ - लोक सेवक को नये मूल्यों व तकनीकों ~~को~~ के प्रति समावेशी होना चाहिए।
Ex - डलिया जलाओ अभियान द्वारा बदायूं DM द्वारा हाथ से मैला ढोने की प्रथा के प्रति मनोवृत्ति बदलाव।

5. (b) सार्वजनिक सेवा वितरण के मुख्य सिद्धांत क्या हैं? भारत में प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What are the key principles of public service delivery? Discuss the challenges associated with providing effective public service delivery in India. (Answer in 150 words) 10

सार्वजनिक सेवा वितरण से तात्पर्य शासन द्वारा जनता को प्रदान की जाने वाली सेवा से है।

सार्वजनिक सेवा वितरण के सिद्धांत

- समानता का सिद्धांत
- प्रतिस्पर्धा का मानक
- सुलभता
- समय पर समाधान
- मापन
- गुणवत्ता

भारत में ₹100 का आवंटन अंत में ग्राहक तक आते-2 ₹10 रह जाता है (अप्रभावी सेवा वितरण)

सार्वजनिक सेवा वितरण में चुनौतियाँ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

① **भ्रष्टाचार** – भारत की भ्रष्टाचार सूचकांक में रैंक 93rd (2023).

② **पक्षपात का संकट** – रिसाव
लाभार्थी
Ex – शांता कुमार समिति ने कहा NFSA का 40% रिसाव

③ **नौकरशाही रवैया** – फलत: स्वयं को 'माई-बाप' मानना

④ **अपारदर्शिता व जवाबदेहिता का अभाव**

⑤ **मध्यस्थ जाल व शोषण**
Ex. APMC बाजार के आढ़तिये

⑥ अप्रभावी व असंवेदी सिटिजन चार्टर

⑦ अजागरूकता

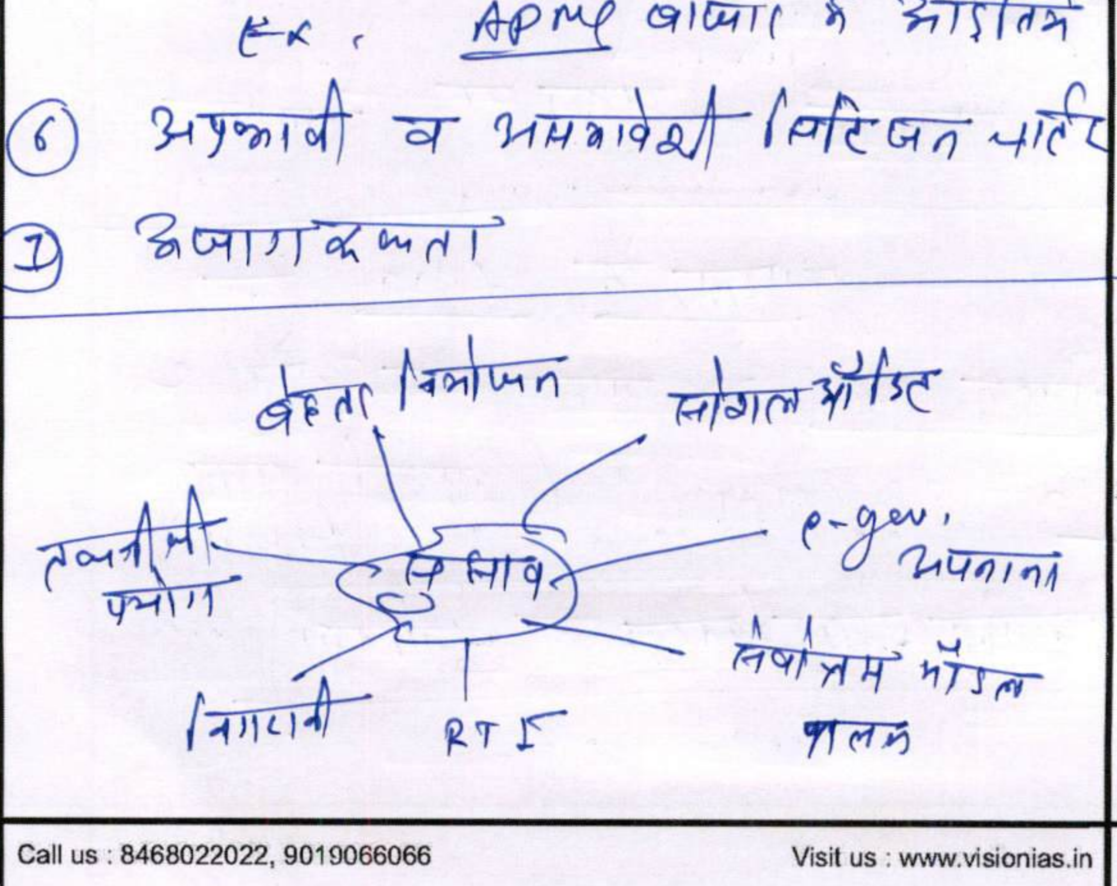

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (a) जब संधारणीय विकास के प्रति अभिवृत्तिक परिवर्तन की बात आती है, तो व्यवहारिक प्रेरणा ही आगे की राह है। उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

When it comes to attitudinal change towards sustainable development, behavioural nudges are the way forward. Illustrate with examples. (Answer in 150 words) 10

'जो बदलाव आप दूसरों में देखना चाहते हो वो पहले स्वयं में लाओ।'
(गाँधीजी)

संधारणीय विकास की प्राप्ति के लिए मात्र नीति बनाने से नहीं बल्कि व्यावहारिक प्रेरणा द्वारा अभिवृत्ति में बदलाव लाया जा सकता है।

व्यावहारिक प्रेरणा वस्तुत: लोगों को वास्तविक समाधान व स्वयं द्वारा करके दिखाने से है।

उदा०-

(i) प्लास्टिक अपशिष्ट का जब तक व्यावहारिक विकल्प न होगा इसे छोड़ना आसान नहीं।

(2) भारत के मिशन LiFE को अपनाने के लिए व्यवहार में बदलाव लाना होगा।

Ex – घर पर कम Light व जलाने का व्यवहार स्वतः संधारणीय विकास को लोगों में पैदा करेगा।

(3) गांधीजी का जीवन व्यावहारिक प्रेरणा ही था।

↳ सीमित आवश्यकताओं का सिद्धांत।

(4)

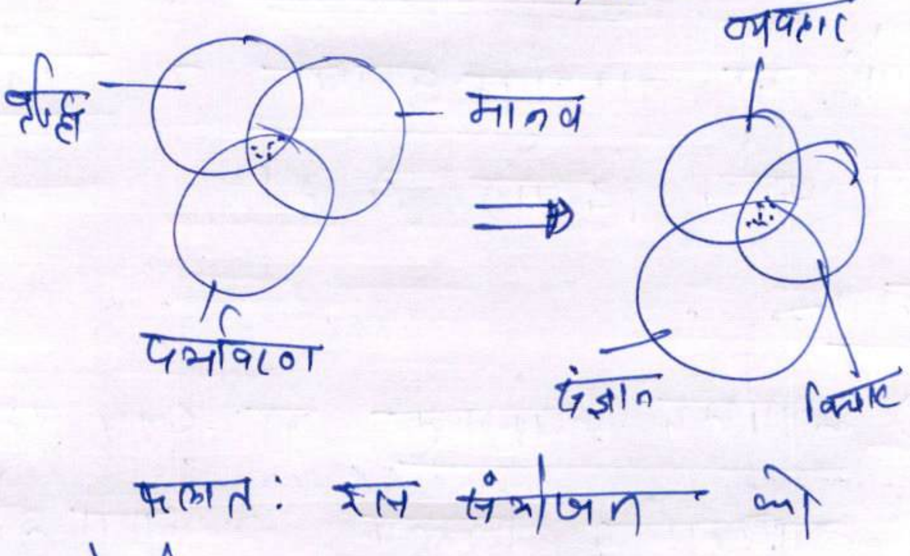

फलतः इस संयोजन को बनाने के लिए व्यवहार प्रेरणा जरूरी है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (b) मदर टेरेसा के जीवन से क्या सबक सीखा जा सकता है? समकालीन विश्व में उनकी प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दें)

What lessons can be learnt from the life of Mother Teresa? Discuss their relevance in the contemporary world. (Answer in 150 words) 10

मदर टेरेसा का संपूर्ण जीवन करुणा की मूर्ति व मानव सेवा का मूल्य से प्रेरित रहा है।

मदर टेरेसा ने भारत सहित विश्व के रोगियों की सेवा की है।

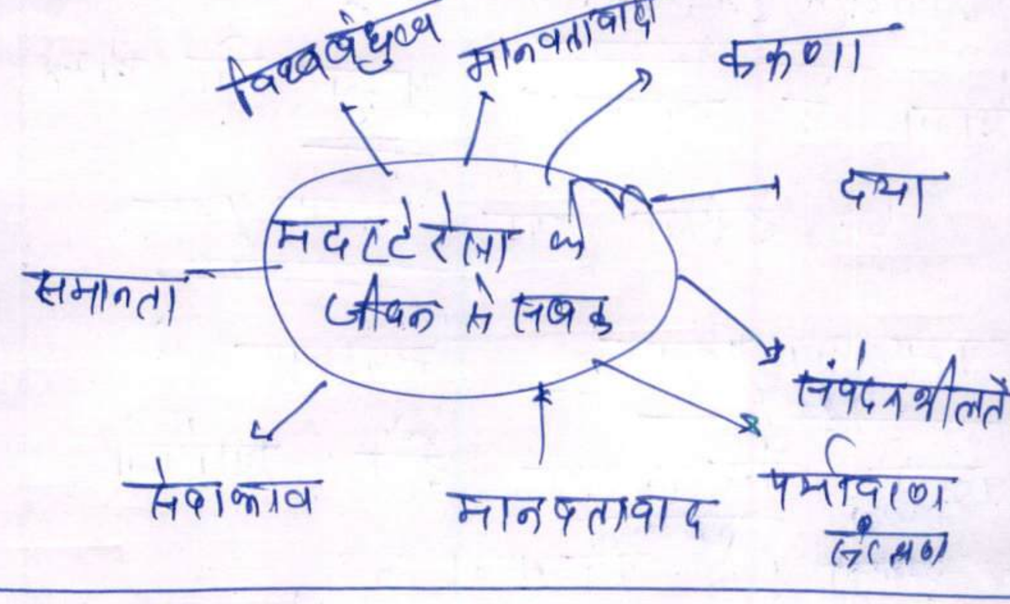

समकालीन विश्व में प्रासंगिकता :—

(1) oxfam report के अनुसार सबसे गरीब

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

50% लोगों के पास मात्र 6% संपत्ति है।
↳ मदर टेरेसा का समाज सेवा व परहित भाव का मूल्य

(2) सुविधा वंचितों की वेदना के प्रति करुणा भाव।
Ex – सुकृति अभियान अंतर्गत ओडिशा के LGBTQ+ का सामाजिक ~~समावेश~~।

(3) ग्लोबल हेल्थ इश्यू प्रक्रिया व प्रतिबंधों से व्यापक मुख्य की प्रक्रिया
↳ टेरेसा का करुणा मूल्य

(4) प्रेम का मूल्य — समाज में बढ़ती वैमनस्यता, दंगे, प्रवासियों पर हमलों के निवारण में।

(5) ~~विश्व~~ संकीर्ण राष्ट्रवाद की जगह विश्व बंधुत्व की स्थापना में (Ex – व्यापार युद्ध)
फलत: टैगोर जी का सिद्धांत कि मानव नहीं मानवता मेरा लक्ष्य है, की शिक्षा।

खंड B / SECTION B

निम्नलिखित प्रश्नों में प्रस्तुत प्रकरणों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. आप एक ऐसे शहर के पुलिस अधीक्षक हैं, जहां के किसी मंदिर में एक प्रमुख धार्मिक उत्सव आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में दस लाख से अधिक तीर्थयात्रियों के शामिल होने की संभावना है, जो मंदिर की अवसंरचनात्मक क्षमता से कहीं अधिक है। व्यापक योजना और एहतियाती उपायों के बावजूद, मुख्य मंदिर के प्रवेश द्वार के पास अचानक भीड़ उमड़ने से भगदड़ मच गई, जिससे कई लोग हताहत हुए और अनेक लोग घायल हो गए। स्थिति इतनी अधिक गंभीर हो गई कि मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं में दहशत फैल गई है।

इस जटिलता को और गंभीर बनाते हुए, व्हाट्सएप ग्रुप और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी खबरें तेजी से प्रसारित हो रही हैं, जिसमें भगदड़ को सांप्रदायिक झड़पों से जोड़कर दिखाया जा रहा है। ये फर्जी खबरें आम जनता में व्यापक दहशत पैदा कर रही हैं और इनसे जिले में सांप्रदायिक दंगों के भड़कने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

पुलिस अधीक्षक के रूप में, आप स्वयं को इस संकट के केंद्र में पाते हैं, जहां आपके सामने भगदड़ के तत्काल बाद की स्थिति को संभालने तथा संभावित रूप से खतरनाक गलत सूचनाओं के प्रसार को रोकने की दोहरी चुनौती विद्यमान है।

(a) इस मामले में शामिल प्रमुख हितधारकों की पहचान कीजिए।

(b) स्पष्ट कीजिए कि आप एक पुलिस अधीक्षक के रूप में, भगदड़ की स्थिति से निपटने और सोशल मीडिया के माध्यम से फर्जी खबरों के प्रसार को रोकने के लिए क्या उपाय अपनाएंगे।

(c) चर्चा कीजिए कि इन उपायों को लागू करते समय, विशेष रूप से सार्वजनिक सुरक्षा तथा व्यक्तिगत अधिकारों एवं धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन बनाने के लिए, आपको किन नैतिक बातों को ध्यान में रखना चाहिए। (उत्तर 250 शब्दों में दें)

You are the Superintendent of Police in a city hosting a major religious festival at a temple. The event is expected to attract over a million pilgrims, far exceeding the temple's infrastructure capacity. Despite extensive planning and precautionary measures, a sudden crowd surge near the main shrine entrance has resulted in a stampede, causing multiple casualties and numerous injuries. The situation has escalated, with panic spreading among the devotees present at the temple.

Adding to the complexity, instances of fake news are rapidly circulating through WhatsApp groups and social media platforms, falsely attributing the stampede to communal clashes. This misinformation is causing widespread panic among the general public and threatens to ignite communal riots in the district.

As the Superintendent of Police, you find yourself at the center of this crisis, faced with the dual challenge of managing the immediate aftermath of the stampede and countering the spread of potentially dangerous misinformation.

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) Identify the key stakeholders involved in this case.

(b) Explain the measures you, as the Superintendent of Police, will take to address the stampede situation and curb the spread of fake news through social media.

(c) Discuss the ethical considerations you must keep in mind while implementing these measures, particularly in balancing public safety with individual rights and religious sentiments. (Answer in 250 words) 20

एक मंदिर में अत्यधिक भीड़ व ~~भगदड़~~ भगदड़ के साथ सांप्रदायिक अफवाहों की स्थिति बनी हुई है

(A)

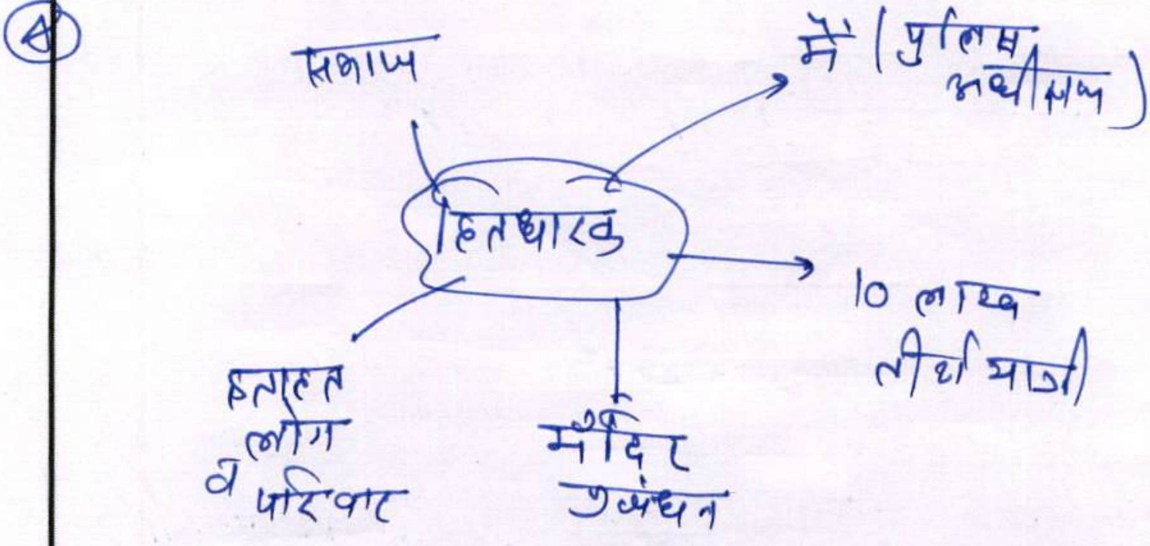

(B) उपाय : —

① फर्जी खबरों का प्रसार - रोकने के लिए पुलिस टीम व जिला प्रशासन से सहयोग कर —

फर्जी खबरों, वीडियों की सच्चाई उजागर करना

लाउडस्पीकर द्वारा लोगों को धैर्य रखने व अफवाहों से बचने का आवाहन

Helpline नंबर देकर किसी भी अफवाह की सटीक जानकारी का प्रसार

② भगदड़ से निपटने के लिए:

- ~~मुख्य~~
- सबसे पहले हताहतों की पुलिस ~~स्थापना एवं निकासी~~
- मुख्य मंदिर प्रवेश पर लिमिट लगाना
- पुलिस की टीम द्वारा जनता का सहयोग
- अन्य प्रवेश द्वारों को खोलना
  - मंदिर प्रबंधन से सहयोग
- तुरंत भीड़ को कम करने के लिए

Exit की ओर ले जाना।
- अतिरिक्त आने वाली भीड़ को पहले ही रोक लेना।

(c) नैतिक सावधानियाँ :—

1. धार्मिक भावनाओं का सम्मान
2. पुलिस की प्रतिक्रिया संवेदनायुक्त
3. EI के उच्च भावनात्मक कौशल का प्रयोग कर कार्यवाही।
4. कांट की सद्गुण नैतिकता का पालन।
5. केवल असामाजिक तत्वों की पहचान कर कार्यवाही करना।
6. धार्मिक भावनाओं व जनता के व्यक्तिगत अधिकारों को विशेषतः वृद्धों, महिला व बच्चों

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

का ध्यान रखना।

⑦ समावेशी टीम बनाने के लिए ~~महिला~~ पुलिस सहित मंदिर प्रबंधन से सहयोग लेना।

फलत: इस दशा में ~~रन~~ संतुलित अनुसक्रिय संयमित-संवेदनायुक्त प्रतिक्रिया की हेतु आवश्यकता है।

8. प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता रवि शर्मा एक प्रमुख बोतलबंद पानी की कंपनी द्वारा प्रस्तावित लाभकारी विज्ञापन अनुबंध को लेकर नैतिक दुविधा में फंस गए हैं।

हालांकि, बोतलबंद पानी की कंपनी शराब के एक प्रमुख ब्रांड की सहायक कंपनी है और पानी की बोतलों पर भी वही ब्रांडिंग की गई है जो शराब उत्पादों पर की गई है। विज्ञापन अभियान एक स्वस्थ उत्पाद को बढ़ावा देने की आड़ में शराब ब्रांड की छवि को मजबूत करने के लिए बनाया गया है।

रवि को अपनी सामाजिक रूप से जिम्मेदार छवि और स्वस्थ जीवन का समर्थन करने के लिए जाना जाता है। वह शराब के हानिकारक प्रभावों के बारे में अच्छी तरह से अवगत हैं, क्योंकि शराब से संबंधित बीमारी के कारण उनके परिवार के एक सदस्य की मृत्यु हो गई थी। हालांकि, इस विज्ञापन अनुबंध से मिलने वाला वित्तीय लाभ काफी अधिक है और यह रवि के परोपकारी कार्यकलापों, विशेषकर वंचित समुदायों को शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की उसकी पहलों को काफी हद तक समर्थन प्रदान कर सकता है।

यह स्थिति रवि को दुविधा में डाल देती है, जहां उसे दो विकल्पों में से किसी एक विकल्प अर्थात वह अप्रत्यक्ष रूप से शराब के सेवन को बढ़ावा देने वाले अनुबंध को स्वीकार कर सकता है या फिर नैतिक आधार पर उसे अस्वीकार कर सकता है, जिससे उसे अपने परोपकारी कार्यों के लिए बड़ी धनराशि से हाथ धोना पड़ सकता है, का चयन करना पड़ेगा।

(a) रवि द्वारा बोतलबंद पानी के उत्पाद का विज्ञापन करने के निर्णय में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?

(b) सेलिब्रिटी विज्ञापनों के व्यापक निहितार्थों तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य और उपभोक्ता व्यवहार पर उनके प्रभावों की चर्चा कीजिए।

(c) रवि जैसी लोक हस्तियां विज्ञापन उद्योग में नैतिक व्यावसायिक कार्यपद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए अपने प्रभावशाली व्यक्तित्व का उपयोग कैसे कर सकती हैं? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Ravi Sharma, a renowned movie actor, finds himself in an ethical dilemma regarding a lucrative endorsement deal offered by a prominent bottled water company.
However, the bottled water company is a subsidiary of a major alcohol brand, and the water bottles carry the same branding as the alcohol products. The advertising campaign is designed to reinforce the alcohol brand's image under the guise of promoting a healthy product.

Ravi is known for his socially responsible public image and advocacy for healthy living. He is deeply aware of the harmful effects of alcohol, having lost a close family member to an alcohol-related illness. However, the financial reward from this endorsement deal is substantial and could significantly support Ravi's philanthropic activities, particularly his initiatives for providing education and healthcare to underprivileged communities.

This situation places Ravi at a crossroads, forcing him to choose between accepting a deal that could indirectly promote alcohol use and rejecting it on ethical grounds, potentially foregoing significant funding for his charitable work.

(a) What are the ethical issues involved in Ravi's decision to endorse the bottled water product?

2366
VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) Discuss the broader implications of celebrity endorsements and their influence on public health and consumer behaviour.

(c) How can public figures like Ravi use their influence to promote ethical business practices in the advertising industry? (Answer in 250 words) 20

यह सरोगेट प्रचार में छिपा नैतिक द्वंद्व का मामला है साधन व साध्य की पवित्रता का।

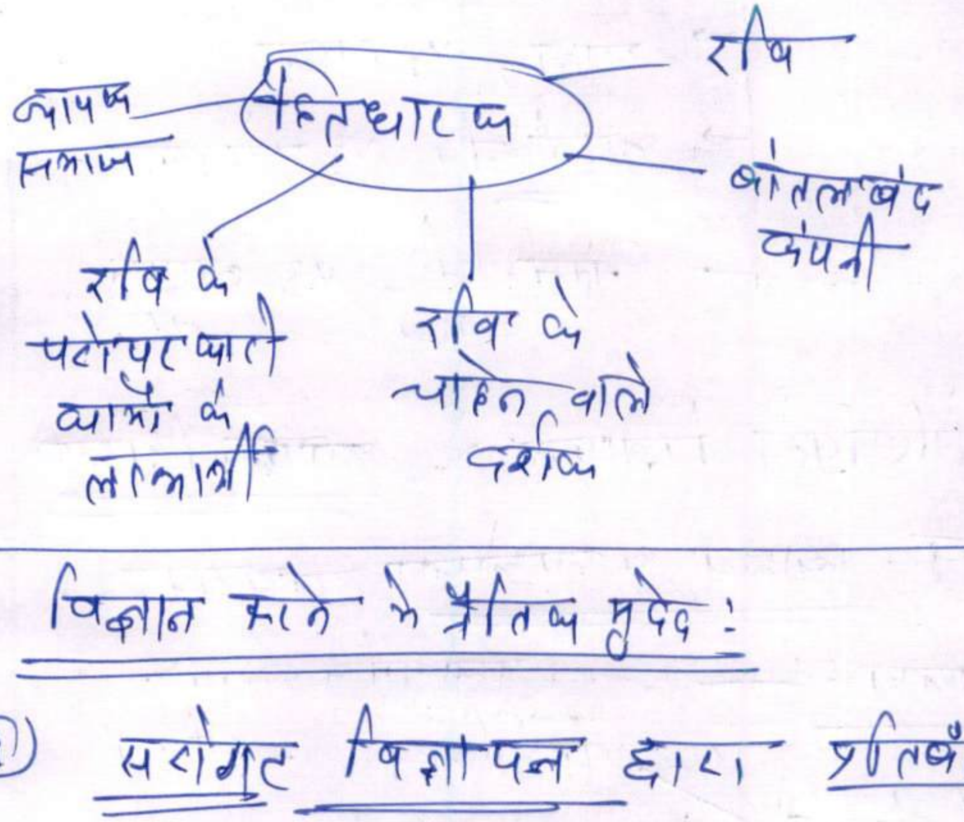

(A) विज्ञापन करने के नैतिक मुद्दे :

(1) सरोगेट विज्ञापन द्वारा प्रतिबंधित वस्तु का प्रचार। (व्यावसायिक नैतिकता का उल्लंघन)

उदा० - शाहरुख खान द्वारा विमल पान मसाला का प्रचार

2366
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) कंपनी द्वारा साधन की पवित्रता से समझौता — (पानी के माध्यम से शराब ब्रांड)

(3) कलाकार की व्यावसायिक नैतिकता
(e.g. ग्राहक / कला का मूल उद्देश्य)

(4) रोब के नैतिक द्वंद्व
- → साधन vs साध्य
- → अपनी छवि vs परोपकार
- — अंतर्मन की आवाज vs व्यापक लाभ

(b) सेलिब्रिटी विज्ञापन के व्यापक निहितार्थ व स्वास्थ्य व उपभोक्ता व्यवहार

प्रभाव! —

निहितार्थ
- पर्यावरणीय प्रभाव
- सामाजिक — दायित्व
- दर्शकों के प्रति दायित्व
- सामाजिक परिवर्तन
- लोगों की भावना का वाणिज्यिक दोहन
- लाभ का असंतुलित वितरण
- ↓ प्रतिस्पर्धा पर प्रभाव

2366
VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्वरूप → उत्पाद की गुणवत्ता पर संशय
→ सेलिब्रेटी स्वयं ही परीक्षण न करना
→ उपभोग बढ़ना
→ धन / व्यय बढ़ना
→ 'ओब्जेक्टिफिकेशन'

उपभोक्ता व्यवहार → विकृत
→ विपमोगी होना
→ बिना समझ के उपभोग
→ तात्कालिक लाभ ही देखना

(c) प्रभावशाली व्यक्तित्व का नैतिक विज्ञापन उद्योग में उपयोग : —

(1) वो ही विज्ञापन करना जो सही हैं व स्वयं पर परीक्षण

(2) अपने विज्ञापन में — सत्यता
— झूठा प्रचार न हो
— सभी शर्तें स्पष्ट हों

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) ~~पैसे~~ के लालच से साधन की पवित्रता से समझौता नहीं।

(4) बड़े मंचों से मैसेज देना;

उदा० - रोनाल्डो द्वारा कोका कोला की बोतल हटाना

(5) अपने विज्ञापन की
- लाभों का साझा करना (CSR)
- परिणामों की जवाबदेहिता लेना।
- सुस्पष्टता

(6) स्वयं में बदलाव लाकर अन्य के लिए नेतृत्व बनना।

फलतः सही व नैतिक विज्ञापन सबों के हित में है।

9. आप एक कृषि प्रधान जिले में जिला मजिस्ट्रेट के पद पर नियुक्त हैं। हाल ही में, इस क्षेत्र में बेमौसम वर्षा हुई है, जिससे फसलों को अत्यधिक क्षति हुई है और किसान समुदाय भी संकट के कगार पर पहुंच गया है। खाद्यान्न खरीद प्रणाली में व्यापक भ्रष्टाचार के कारण स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

आपको किसानों से अनाज खरीदने वाले गोदामों में व्यापक कदाचार की रिपोर्टें मिली है। इन भ्रष्ट गतिविधियों में खरीद प्रक्रिया में जानबूझकर विलंभ करना, तौल के पैमानों में हेरफेर करना, मनमाने तरीके से गुणवत्ता को अस्वीकार करना और हताश किसानों से रिश्वत की मांग करना शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप, किसानों को अत्यधिक वित्तीय हानि हुई है, कई किसान तो अपना लागत मूल्य भी वसूल नहीं कर पा रहे हैं।

कई किसान अपनी उपज बेचने में असमर्थ हैं जबकि अन्य न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) से बहुत कम कीमत पर अपनी उपज बेचने के लिए विवश हैं। इससे कृषक समुदाय के लिए वित्तीय संकट उत्पन्न हो गया है।

आपको इस जटिलता को और अधिक गंभीर बनाने वाली एक रिपोर्टें मिलती हैं जिससे पता चलता है कि कुछ स्थानीय राजनेता और प्रभावशाली व्यवसायी इन भ्रष्ट गतिविधियों में शामिल हैं और किसानों की दुर्दशा से लाभ उठा रहे हैं। यदि तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो संभावित किसान विरोध प्रदर्शनों एवं आंदोलनों के शुरू होने की भी अफवाहें हैं।

जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपके सामने तात्कालिक संकट और इस स्थिति को जन्म देने वाले प्रणालीगत मुद्दों जिनके कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है, दोनों से निपटने की चुनौती है।

(a) इस मामले में शामिल प्रमुख हितधारकों और उनके संबंधित हितों की पहचान कीजिए।

(b) प्रभावित कृषक समुदाय को राहत प्रदान करने के लिए आपके द्वारा अपनाए जाने वाले तात्कालिक उपायों पर चर्चा कीजिए।

(c) आपके द्वारा चुने गए उपाय को क्रियान्वित करते समय आपके समक्ष आने वाली नैतिक दुविधाओं पर चर्चा कीजिए तथा स्पष्ट कीजिए कि आप उनसे कैसे निपटेंगे। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are posted as the District Magistrate in a predominantly agricultural district. Recently, the region has been hit by unseasonal rainfall, causing severe crop damage and pushing the farming community to the brink of crisis. The situation is further exacerbated by widespread corruption in the food grain procurement system.

You have received reports about rampant malpractices in the warehouses responsible for procuring food grains from farmers. These corrupt practices include deliberate delays in the procurement process, manipulation of weighing scales, arbitrary quality rejections, and demands for bribes from desperate farmers. As a result, farmers are facing significant financial losses, with many unable to recover even their input costs.

Many farmers are unable to sell their produce, while others are forced to sell at prices far below the Minimum Support Price (MSP). This has led to financial distress for the farming community.

Adding to the complexity, you have received reports suggesting that some local politicians and influential businessmen are involved in these corrupt practices, benefiting from the farmers' misery. There are also rumors of potential farmer protests and agitations if immediate action is not taken.

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

As the District Magistrate, you are faced with the challenge of addressing both the immediate crisis and the systemic issues that have led to this situation.

(a) Identify the key stakeholders involved in this case and their respective interests.

(b) Discuss the immediate measures you will take to provide relief to the affected farming community.

(c) Discuss the ethical dilemmas you might face while implementing your chosen course of action and how you would navigate them. (Answer in 250 words) 20

किसानों के संस्थागत शोषण व बहुपक्षीय जाल की दशा है जहाँ किसान असंतोष व प्रदर्शन की आशंका है।

(a) हितधारक व हित :

हितधारक — समाज

- DM
  - शांति
  - मुआवजा व प्रशासन
  - किसान शोषण मुक्ति
- किसान
  - उपज का सही मूल्य
  - दुर्दशा से मुक्ति
- शोषक
  - अधिकारी
  - व्यापारी
  - राजनेता

(b) तात्कालिक उपाय :— (राहत के लिए)

① किसानों की शिकायतों को सुनने के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन तंत्र

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ङ) भ्रष्ट अधिकारियों का हटाना, निलंबन तथा माल की जब्ती।

(च) किसानों को जाँच व राहत का आश्वासन देना। ⇒ बेमौसम बारिश क्षति से राहत

(छ) गोदामों के व्यापार/रिपोर्ट की जाँच कर किसानों की भरपाई की व्यवस्था करना।

(ज) MSP से कम कीमत पर बेचे गए उत्पाद की रिपोर्ट प्राप्त कर संबंधित PM अन्नदाता योजना के माध्यम से भुगतान करवाना।

(C) नैतिक दुविधाएं : व दशाएं

(i) स्थानीय राजनेताओं से दुश्मनी बनाम कानून की पालना का द्वंद्व → मैं डांट का कर्तव्य

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

नैतिकता व नीति के विवेक का भाव के मानने की विश्वास जाँच करेगा। यदि कोई भी राजनेता शामिल पाया जाता है तो समानता का मूल्य स्थापित कर प्रशासन लेना होगा।

(2) निजी जीवन के शांति बनाम व्यापक सामाजिक कल्याण

। मैं वेतन के अधिकतम के अधिकतम लाभ व लोभ प्रशासन की ~~[illegible]~~ कर्तव्यनिष्ठा मूल्य का पालन कर सदैव सार्वजनिक हित को महत्व दूंगा।

2366
VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) केवल किसान को शांत ~~रखे~~ करे या मूल समस्या का अंत।

तात्कालिक रूप से आपदा राहत कोष से योजना व जब्त किये माल का भुगतान द्वारा किसानो को शांत करना व विरोध का मौका (शांतिपूर्ण) देना है।

लेकिन मूल जड़ का समाधान किये बिना समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा।

" शोषण पर आधारित शांति नहीं बल्कि भयानक अशांति है "

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. हाल ही में एज़टैक के इंडिया डिवीजन के प्रमुख के रूप में नियुक्त श्री वी, कंपनी के शिशु आहार उत्पादों के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण नैतिक दुविधा का सामना कर रहे हैं। हाल ही में, यह बात लोगों के ध्यान में आई है कि भारत में एज़टैक के शिशु उत्पादों में एक बार के आहार के रूप में दी जाने वाली मात्रा में लगभग 3 ग्राम शर्करा की मात्रा होती है, जबकि जर्मनी और ब्रिटेन जैसे अमीर देशों में इसी तरह के उत्पादों में कोई अतिरिक्त शर्करा की मात्रा नहीं होती है। एज़टैक ने इस प्रथा का बचाव करते हुए कहा है कि चीनी की मात्रा स्थानीय नियमों के अनुरूप है। हालांकि, इन उत्पादों पर पोषण संबंधी जानकारी में अतिरिक्त शर्करा के बारे में विवरण का उल्लेख नहीं है।

इस खुलासे ने नागरिक समाज, गैर सरकारी संगठनों (NGOs) और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की तीखी प्रतिक्रिया को जन्म दिया है, जिनका तर्क है कि शिशु उत्पादों में शर्करा की अतिरिक्त मात्रा खतरनाक और अनावश्यक है। आलोचना के बढ़ने से एज़टैक की प्रतिष्ठा और बाजार में इसकी स्थिति खतरे में पड़ गई है।

श्री वी को एक गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ता है। इन शिशु उत्पादों को बाज़ार से हटाने से कंपनी को काफ़ी वित्तीय क्षति हो सकती है, जिससे संभावित रूप से कर्मचारियों की छंटनी हो सकती है और यहां तक कि कंपनी के बंद होने की संभावना भी हो सकती है, क्योंकि कंपनी की वित्तीय स्थिति पहले से ही ख़राब है। वरिष्ठ प्रबंधन उन पर दबाव बना रहा है कि वे इस मुद्दे का समाधान कंपनी के लाभ को प्रभावित करने वाले किसी बड़े परिवर्तन के बिना करें।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) उपर्युक्त स्थिति में श्री वी के लिए उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) श्री वी के लिए उपर्युक्त में से कौन-सा विकल्प सर्वाधिक उपयुक्त होगा और क्यों? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Mr. V, recently appointed as the head of Aztack's India division, faces a significant ethical dilemma regarding the company's baby food products. Recently, it has come to public attention that Aztack's baby products in India contain nearly 3 grams of sugar per serving, while similar products in wealthier nations like Germany and the UK have no added sugar. Aztack defends this practice, stating that the sugar levels comply with local regulations. However, the nutritional information on these products omits details about added sugars.

This revelation has sparked backlash from civil society, NGOs, and health experts, who argue that added sugar in baby products is dangerous and unnecessary. The criticism is growing, putting Aztack's reputation and market position at risk.

Mr. V faces a serious challenge. Removing these baby products from the market could result in significant financial losses for the company, potentially leading to employee layoffs and even the possibility of the company shutting down, given its already precarious financial state. The senior management is pressuring him to resolve the issue without making drastic changes that could affect the company's profit.

(a) Discuss the ethical issues involved in this case.

(b) Evaluate the options available to Mr. V in the above situation.

(c) Which of the above would be the most appropriate option for Mr.V and why? (Answer in 250 words) 20

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

यह मामला एक कंपनी द्वारा अपनी व्यावसायिक सत्यनिष्ठा के उल्लंघन व उससे उपजे औचित्य के संकट का है।

(a) नैतिक मुद्दे :-

1. कॉर्पोरेट शासन के नियमों का उल्लंघन
2. शिशु स्वास्थ्य के साथ समझौता (अनु. 21 - स्वास्थ्य का अधिकार)
3. नैतिक मानकों की पालना न होना
4. स्पष्ट रूप से जानकारी का प्रसार न करना। (उपभोक्ता के जानने के अधिकार का उल्लंघन)
5. कंपनी की वित्तीय साख का संकट
6. मीडिया के सामने कंपनी सहित स्वयं

की जाँच की सुरक्षा व जवाबदेहिता स्थापना का द्वंद्व।

(7) लोगों को क्षतिपूर्ति का अधिकार

(8) पर्यावरण पर इन उत्पादों का प्रभाव।

(9) कंपनी का लाभ एवं कानून

(10) कर्मचारियों की नौकरी जाने का संकट

(b) श्री की के पास विकल्प व मूल्यांकन

(1) प्रबंधन की बात मानकर सीमित समाधान करना

(+ive)
- कंपनी बंद न होना
- वित्तीय क्षति कम होना
- रोजगार (कार्मिक) रहना

(-ive)
- पीड़ितों के साथ अन्याय
- नैतिकता का उल्लंघन
- आनुपातिकता का अभाव

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

~~(4) ... को हल~~

(2) मामले की निष्पक्ष जाँच व तर्कसंगत समाधान।

+ive

- दोषियों से कंपनी का भरोसा
- जवाबदेहिता लेना
- पीड़ितों को मुआवजा

-ive

- कंपनी का वित्त संकट
- कंपनी का स्वेच्छतः बंद होना।
- रोजगार संकट

(3) मामले स्वयं को अलग करते हुए व्यापक टीम गठित करने का सुझाव

+

- मैं अच्छा नहीं हूँ अनुभव नहीं
- मेरी खुद की हित शामिल

-ive

- पलायनवाद
- आंतरिक नैतिकता का उल्लंघन

(c) सबसे बेहतर विकल्प यह होगा कि वह विकल्प (b) को अपनाते लेकिन जाँच टीम व्यापक समावेशी (स्वास्थ्य विशेषज्ञ, कंपनी प्रबंधन, NGO, पीड़ित समूह)

- मुआवजा की राशि
- अपराध की जवाबदेही का निर्धारण
- वैश्विक मानक अपनाने
- व्यापारवादी को जाने

फलतः इससे दीर्घकाल में कंपनी की छवि सहित साख दायित्व का निर्वहन होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. सागर मेहता एक 42 वर्षीय पेशेवर है और उसका कॉर्पोरेट जगत में एक बेदाग रिकॉर्ड है। उसने हाल ही में इंफ्राटेक सॉल्यूशंस नामक कंपनी के CEO का पद धारण किया है। इंफ्राटेक सॉल्यूशंस भारत की सबसे बड़ी अवसंरचना क्षेत्र की कंपनियों में से एक है। इन्फ्राटेक को सड़कों और पुलों के डिजाइन एवं निर्माण में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है तथा इसने विगत तीन दशकों में एक मजबूत प्रतिष्ठा हासिल की है। यह कंपनी मुख्य रूप से राज्य लोक निर्माण विभागों की परियोजनाओं पर कार्य करती है और कभी-कभी राष्ट्रीय एजेंसियों से अनुबंध भी प्राप्त करती है।

सागर ने यह पद 15 वर्षों की कड़ी मेहनत और समर्पण के परिणामस्वरूप प्राप्त किया था। उसने केवल अपनी प्रतिभा और ईमानदारी के बल पर कॉर्पोरेट जगत में तरक्की की है तथा उसने सदैव नैतिक व्यावसायिक पद्धतियों का पालन किया है। इन्फ्राटेक के CEO के रूप में उसकी नियुक्ति को अक्सर विवादों से घिरे रहने वाले उद्योग में ताजी हवा के झोंके के रूप में देखा गया।

अपनी नई भूमिका में आठ महीने के बाद, सागर कंपनी को जिस दिशा में ले जा रहा था, उसे लेकर आत्मविश्वास महसूस कर रहा था। उसने नई प्रौद्योगिकियों को लागू किया, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित किया और अपनी परियोजनाओं में अधिक संधारणीय पद्धतियों के प्रयोग को बढ़ावा दिया।

एक शाम, कुछ वित्तीय दस्तावेजों की समीक्षा करने के दौरान, सागर ने एक पैटर्न देखा कि बड़े अनुबंधों की घोषणाओं से ठीक पूर्व विभिन्न अज्ञात संस्थाओं को बड़ी धनराशि भेजी जा रही थी। उत्सुक और थोड़ा चिंतित होकर, उसने इसकी गहराई से जांच करने का निर्णय किया। उसने पाया कि इंफ्राटेक उन राज्यों में सत्तारूढ़ राजनितिक दलों के सदस्यों के चुनाव अभियानों के लिए पर्याप्त राजनीतिक दान कर रहा था, जहां वे अनुबंधों को प्राप्त करने हेतु बोली लगा रहे थे। ये दान बड़ी सावधानी से समयबद्ध और रणनीतिक रूप से वितरित किए गए थे ताकि कंपनी द्वारा लाभकारी सरकारी परियोजनाओं के अनुबंध प्राप्त करने की संभावना अधिकतम हो सके।

सागर हमेशा साफ-सुथरा कार्य करने के लिए स्वयं पर गर्व महसूस करता था। इस मुद्दे को हल करने हेतु दृढ़ संकल्पित सागर ने इस मामले को बोर्ड की अगली बैठक में उठाया। उसे यह देखकर आश्चर्य और निराशा हुई कि निदेशक मंडल ने न केवल इस प्रथा को स्वीकार किया, बल्कि इसका दृढ़तापूर्वक बचाव भी किया। संदेश स्पष्ट था - बोर्ड को उम्मीद थी कि सागर इस प्रथा को जारी रखेगा तथा कोई भी विचलन न केवल कंपनी की स्थिरता को बल्कि CEO के रूप में उनकी स्थिति को भी खतरे में डाल सकता है।

जैसे ही सागर बैठक से बाहर निकला, उसने महसूस किया कि इस नैतिक दुविधा का बोझ उस पर बढ़ रहा है। एक तरफ, वह कंपनी की सफलता और इंफ्राटेक पर निर्भर हजारों कर्मचारियों की आजीविका के लिए उत्तरदायी था। दूसरी तरफ, अब वह एक ऐसे कृत्य में संलिप्त था जिसे वह नैतिक रूप से संदिग्ध और संभावित रूप से अवैध मानता था।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों का उल्लेख कीजिए।

(b) सागर के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) उसे क्या कारवाई करनी चाहिए? अपने उत्तर के समर्थन में कारण बताइए। (250 शब्दों में उत्तर लिखिए)

Sagar Mehta, a 42-year-old professional with an impeccable track record in the corporate world, had recently accepted the position of CEO at Infratech Solutions, one of India's largest infrastructure companies. Known for its expertise in designing and constructing roads and bridges, Infratech had built a strong

reputation over the past three decades, primarily working on projects for state public works departments and occasionally securing contracts with national agencies.

For Sagar, this role was the culmination of 15 years of hard work and dedication. He had climbed the corporate ladder through sheer talent and integrity, always adhering to ethical business practices. His appointment as CEO of Infratech was seen as a breath of fresh air in an industry often marred by controversies.

Eight months into his new role, Sagar was feeling confident about the direction in which he was steering the company. He had implemented new technologies, streamlined processes, and was pushing for more sustainable practices in their projects.

One evening, while reviewing some financial documents, Sagar noticed a pattern of large outflows to various obscure entities just before major contract announcements. Intrigued and slightly concerned, he decided to dig deeper. He found out that Infratech had been making substantial political donations to the election campaigns of ruling party members in states where they were bidding for contracts. These donations were carefully timed and strategically distributed to maximize the company's chances of securing lucrative government projects.

Sagar had always prided himself on running clean operations. Determined to address this issue, Sagar raised the matter at the next Board meeting. To his shock and dismay, the Board of Directors not only acknowledged the practice but also strongly defended it. The message was clear – the Board expected Sagar to continue this practice, and any deviation could jeopardize not just the company's stability but also his position as CEO.

As Sagar left the meeting, he felt the weight of this ethical dilemma bearing down on him. On the one hand, he was responsible for the company's success and the livelihoods of thousands of employees who depended on Infratech. On the other hand, he was now complicit in a practice that he found ethically questionable and potentially illegal.

(a) State the ethical issues involved in this case.

(b) Evaluate the options available to Sagar.

(c) What should be his course of action? Give reasons to support your answer. (Answer in 250 words) 20

यह मामला एक कंपनी द्वारा संभवतः लाभ प्रेरणा से दिया जाने वाला राजनीतिक चंदा व उससे जुड़े कंपनी के लाभ बनाम कानून का है।

(4) ग्यान के नैतिक मुद्दे :–

(1) सागर की छवि व कंपनी प्रतिष्ठा को बचाना

(2) किसी हित के लिए शांत रहना व अपना चालीकरण

(3) राजनीतिक – बिजनेस गठजोड़ का संकट

(4) प्रतिस्पर्धा के मूल्य का उल्लंघन

(5) भ्रष्टाचार द्वारा अनुबंध पाना

(6) सरकार व राजनीतिक दलों के कार्यों के प्रति ~~जवाबदेही अभाव~~ जवाबदेहिता का अभाव

(7) शीर्ष प्रबंध द्वारा गलत प्रथा का प्रचलन चलाना

(8) आजीविका बनाम नैतिकता

(9) समाज का व्यापक हित व कानून बनाम कंपनी का हित

2366
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) विकल्प व मूल्यांकन :-

① निदेशक के मॉडल की बात मान लेना

+ive

- ① कंपनी का हित
- ① जॉब की सुरक्षा
- ① कर्मचारी आजीविका

-ive

- ① प्रतिस्पर्धी मूल्य पतन
- ① अंतःकरण पर चोट
- ① गर्व के भाव पर चोट

② कंपनी से नौकरी छोड़ देना।

+

स्वयं हेतु नैतिक
- ① संकट से दूर
- ①

−

- ① पलायनवाद
- ① 15 y. की मेहनत के बाद की व्यक्तिगत

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) कोर्ट को पॉन्ड कौलाए
सशक्त प्रभाव देना

(+)

○ संभावित व
संदिग्ध अवैध
या खुलासे
○

(-ive)

○ कंपनी में
बुरा बनना
○ के सामने
के खिलाफ
प्रशान
○ राजनीतिक-
आवसायी गठजोड़
से दुश्मनी

(4) मामले की तह तक जाना
व पुख्ता सबूत मिलने
व्हीसिल ब्लोअर बनना

(+)
○ प्रशान होना
○ नैतिक द्वंद्व
समाधान

(-ive)
○ कंपनी बंद
होने
○ लोगों की
नौकरी
जाना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) सागर को विकल्प (3) में तहत बोर्ड को प्रत्यायन द्वारा जाँच का प्रयास करना चाहिए यदि वहाँ असफल रहता है तो पुलिस सबूत प्रस्तुत का विकल्प (4) का पालन करना चाहिए।

12. आप राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) में एक वरिष्ठ अधिकारी हैं और आपकी प्राथमिक भूमिका यह सुनिश्चित करना है कि देश भर में प्रवेश परीक्षा के प्रोटोकॉल का एक समान रूप से अनुपालन किया जाए। आप शिक्षा प्रशासन में अपने विगत दो दशकों से अधिक के अनुभव के साथ, हमेशा परीक्षा प्रक्रिया में निष्पक्षता और पारदर्शिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर गर्व करते हैं।

पिछले माह, NTA ने देश भर में मेडिकल प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा (NEET) का आयोजन किया। इस अत्यंत प्रतिस्पर्धी परीक्षा में 20 लाख से अधिक अभ्यर्थी सम्मिलित हुए, जिनमें से प्रत्येक प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेजों में सीट प्राप्त करने की अपेक्षा कर रहा था।

हालांकि, परीक्षा के कुछ दिनों के भीतर, आपके कार्यालय में विभिन्न स्रोतों से चौंकाने वाली रिपोर्टें आने लगीं। कई राज्यों में स्थानीय समाचार पत्रों द्वारा कथित पेपर लीक के समाचार प्रकाशित किए जाने लगे। आपके फोन पर चिंतित अभिभावकों और छात्रों के कॉल आने लगे। वे आपको परीक्षा केंद्रों पर अनियमितताओं की रिपोर्ट कर रहे थे। इसमें अभ्यर्थियों द्वारा मोबाइल फोन के उपयोग करने, कुछ अभ्यर्थियों को अतिरिक्त समय देने और यहां तक कि प्रॉक्सी अभ्यर्थियों को परीक्षा देते हुए देखे जाने के दावे शामिल थे।

जैसे-जैसे ये रिपोर्टें आपके सामने आती हैं वैसे-वैसे स्थिति तेजी से बिगड़ती जाती है। राष्ट्रीय मीडिया ने इस समाचार को प्रमुखता से उठाया और जल्द ही यह प्रत्येक समाचार चैनल की सुर्खियों में आ गया। सोशल मीडिया पर "जस्टिस फॉर स्टूडेंट" हैशटैग के साथ व्यापक चर्चा होने लगी। अभिभावक संगठन आपके कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे तथा पुनर्परीक्षा के साथ दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की मांग कर रहे थे।

इस अव्यवस्था के बीच, आपको शिक्षा मंत्री का फोन आता है, जो स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं और त्वरित कार्रवाई की मांग करते हैं। आप पर त्वरित कार्रवाई का दबाव बहुत अधिक है, लेकिन आप यह जानते हैं कि बिना गहन जांच के जल्दबाजी में लिए गए किसी भी निर्णय के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।

इस पेशेवर चुनौती के मध्य आपको एक व्यक्तिगत दुविधा का सामना करना पड़ता है जिससे यह मामला और अधिक जटिल बन जाता है। आपकी बेटी ने भी इस वर्ष NEET परीक्षा दी थी। वह दो वर्ष से तैयारी कर रही थी और प्रायः देर रात तक अध्ययन करती थी।

प्रारंभ में, आपकी बेटी अपनी परीक्षा के प्रदर्शन को लेकर उत्साहित थी। किंतु अनियमितताओं के समाचारों के बाद से, आपने उसके व्यवहार में परिवर्तन देखा है। वह असामान्य रूप से चुप रहती है तथा रात के भोजन के दौरान नजरें चुराती है एवं अपने कमरे में ही अधिक समय व्यतीत करती है।

एक शाम, असहनीय तनाव के कारण आप अपनी बेटी से बातचीत करते हैं। बहुत समझाने के बाद, वह टूट जाती है और रोते हुए स्वीकार करती है कि उसने कुछ राशि के बदले एक निजी सोशल मीडिया चैनल के माध्यम से लीक हुए कुछ प्रश्न प्राप्त किए थे। वह दावा करती है कि उसे यकीन नहीं था कि वे प्रश्न वास्तविक थे, किंतु फिर भी उसने उनकी तैयारी की। अब वह आपसे कोई कार्रवाई न करने की विनती करती है।

इस स्थिति में आप अपने पेशेवर कर्तव्य और अपनी बेटी के प्रति अपने प्रेम के बीच दुविधा में उलझ जाते हैं, तो आपको आपके निर्णय के बोझ का एहसास होता है। ऐसे में संपूर्ण परीक्षा प्रणाली की सत्यनिष्ठा के साथ लाखों छात्रों का भविष्य भी दांव पर लगा है, जिसमें आपकी बेटी भी शामिल है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) परीक्षा प्रोटोकॉल सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी व्यक्ति के रूप में, आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? आप क्या कार्रवाई करेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a senior official in the National Testing Agency (NTA) and your primary role is to see if the entrance exam protocols are followed uniformly across the country. With over two decades of experience in education administration, you have always prided yourself on your commitment to fairness and transparency in the examination process.

Last month, the NTA conducted the National Eligibility cum Entrance Test (NEET) for medical admissions across the country. Over 2 million aspirants appeared for this highly competitive exam, each hoping to secure a seat in prestigious medical colleges.

However, within days of the exam, your office is inundated with alarming reports from various sources. Local newspapers carry stories of alleged paper leaks in several states. Your phone rings constantly with calls from concerned parents and students reporting irregularities at exam centers - claims of candidates using mobile phones, some being granted extra time, and even sightings of proxy candidates taking the test.

As you grapple with these reports, the situation escalates rapidly. National media picks up the story, and soon it's the headline on every news channel. Social media is abuzz with hashtags demanding justice for the students. Parents' associations are organizing protests outside your office, calling for a re-examination and severe punishment for the culprits.

Amidst this chaos, you receive a call from the Education Minister, who expresses grave concern over the situation and demands immediate action. The pressure to act swiftly is immense, but you know that a hasty decision without thorough investigation could have far-reaching consequences.

As if the professional challenge was not daunting enough, you face a personal dilemma that threatens to complicate matters further. Your daughter also took the NEET exam this year. She had been preparing for two years, often studying late into the night.

Initially, your daughter had been ecstatic about her performance in the exam. However, since the news of irregularities broke, you have noticed a change in her behavior. She has been unusually quiet, avoiding eye contact during dinner, and spending more time alone in her room.

One evening, unable to bear the tension, you confront your daughter. After much prodding, she breaks down and confesses. Tearfully, she admits to having accessed some leaked questions through a private social media channel, in exchange for money. She claims she was not sure if they were genuine, but prepared them anyway. She is now pleading with you to not take any action.

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

As you stand there, torn between your professional duty and your love for your daughter, you realize the weight of the decision before you. The integrity of the entire examination system hangs in the balance, as does the future of millions of students - including your own child.

(a) Discuss the ethical issues involved in this case.

(b) As a person responsible for ensuring exam protocols, what are the options available to you? What course of action will you follow and why?(Answer in 250 words) 20

नीट जैसी परीक्षा में पेपर लीक का मामला है जहाँ व्यक्तिगत हित, निजी प्रतिष्ठा, परिवार लाभ व सामाजिक स्वार्थ व लाभ का द्वंद्व संपन्न है।

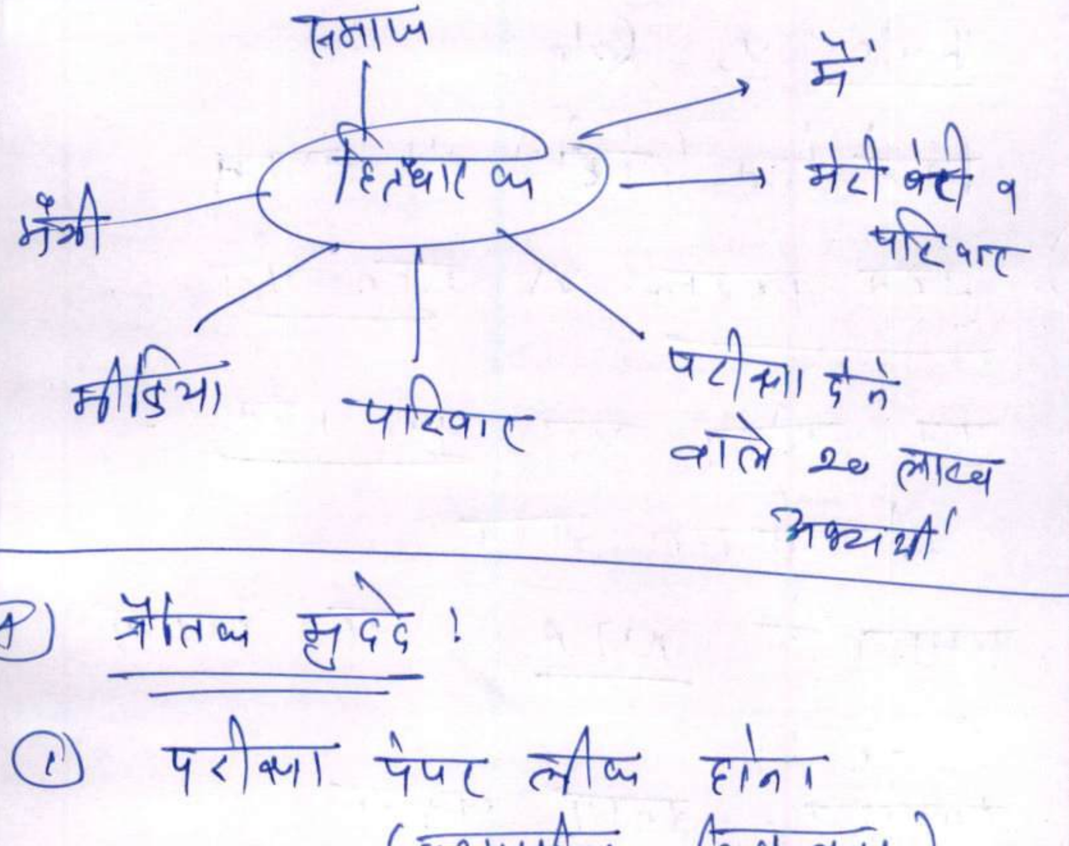

(A) नैतिक मुद्दे!

(1) परीक्षा पेपर लीक होना (प्रशासनिक विफलता)

(2) निजी छवि पर संकट

(3) भ्रष्टाचार का मामला

(4) समानता व प्रतिस्पर्धा का उल्लंघन — (लोगों को पेपर मिलना)

(5) भावनाओं का पतन

(6) परिवार की चिंताएं

(7) मानसिक अवसाद

(8) Art 14 का उल्लंघन

(9) Rule vs Role

(10) निजी हित (बेटी) vs समाज

(11) तुरंत निर्णय vs गहन जाँच

(12) पुनः परीक्षा पर पेपर प्रिंट की पर्यावरण लागत

(13) समाज के NTA पर भरोसा न रहना

(14) सामाजिक तनाव बढ़ना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) उपलब्ध विकल्प

- जाँच कमेटी द्वारा जाँच हो
- तुरंत प्रकाशन हो
- पेपर लीक को छिपा के रखा जाए
- पेपर लीक स्वीकृत करें व जवाबदेहिता स्थापना पुनः पेपर

मैं जाँच कमेटी की स्थापना सहित पेपर को तुरंत निलंबित रखित (kept in abeyance) की घोषणा की अपेक्षा करूँगा।

जाँच समिति को मामले की गहनतम तहों की पहचान के लिए पर्याप्त समय व लोगों को अपने इनपुट देने के लिए पर्याप्त मौके

2366
VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

की व्यवस्था की जायेगी।

बेटी को भी मानसिक व भावनात्मक सुरक्षा का प्रयोग कर किसी सोशल मीडिया की जानकारी मामा का जाँच में सहयोग के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा।

बलात्‌ : मामले की पूर्ण जाँच हो व दोषियों को सजा हो व पुनः परीक्षा पूर्ण तैयारियों के साथ हो।